



Roll No.

Signature of Invigilator

Paper Code

MA/MS-201

पतंजलि विश्वविद्यालय
University of Patanjali

Examination May – 2018
M.A./M.Sc. Yoga Science, (Semester : Second)
Yoga Science
Patanjal Yoga Darshan

Time: 3 Hours

Max. Marks: 75

Note: This paper is of seventy five (75) marks divided into three (03) sections A, B, and C. Attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र पचहत्तर (75) अंकों का है जो तीन (03) खंडों क, ख, तथा ग में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

Section - A / खण्ड-क

(Long Answer Type Questions) / (दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

Note: Section 'A' contains five (05) long-answer-type questions of fifteen (15) marks each. Attempt any **three** questions. (3×15=45)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. चित्त तथा चित्तवृत्तियों का विस्तार से वर्णन करें।
Describe Chitta and Chittavritties in detail.
2. दृष्टा का स्वरूप बताइये।
Explain the nature of Drashta.
3. 'अष्टांग योग' पर एक निबन्ध लिखिए।
Write an essay on 'Ashtang Yoga'.
4. परिणामत्रय का विस्तार से वर्णन करें।
Describe Parinamatraya in detail.
5. आध्यात्मिक रूपान्तरण क्या है? इसका विस्तार से वर्णन करें।
What is Spiritual transformation? Explain it in detail.

Section - B / खण्ड-ख

(Short Answer Type Questions) / (लघु-उत्तरीय प्रश्न)

Note: Section 'B' contains Six (06) short-answer-type questions of five (05) marks each. Attempt any **four** (04) questions. (4×5=20)

नोट : खण्ड 'ख' में छः (06) लघु-उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. पातंजल योगसूत्र का संक्षिप्त परिचय दें।
Introduce Patanjali Yogasutra in brief.
2. क्लेशों का वर्णन करें।
Describe Kleshas.
3. सम्प्रज्ञात समाधि का वर्णन करें।
Explain Samprajnata Samadhi.
4. अष्ट-सिद्धियों का वर्णन करें।
Describe Ashta-Siddhies.

5. ईश्वर की अवधारणा को स्पष्ट करें।

Clarify the concept of Ishwar.

6. यमों की उपयोगिता आधुनिक संदर्भ में बताइये।

Explain the utility of Yamas in modern reference.

Section - C / खण्ड-ग

(Objective Type Questions) / (वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

Note: Section 'C' contains ten (10) objective-type questions of one (01) mark each. All the questions of this section are compulsory. (10×01=10)

नोट : खण्ड 'ग' में दस(10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. योगसूत्रानुसार यह प्रमाण नहीं है

- (अ) प्रत्यक्ष (ब) उपमान
(स) आगम (द) अनुमान

..... is not a Praman according to yogasutra.

- (A) Pratyaksha (B) Upaman
(C) Aagam (D) Anuman

2. योगसूत्रानुसार प्राणायाम नहीं है

- (अ) बाह्यवृत्ति (ब) स्तम्भवृत्ति
(स) आभ्यन्तरवृत्ति (द) स्थिरवृत्ति

It is not pranayama according to yoga sutra

- (A) Bahyavritti (B) Stmbhvritti
(C) Abhyantarvritti (D) Sthirvritti

3. योगी का कर्म कहलाता है

- (अ) शुक्ल (ब) शुक्लकृष्ण
(स) कृष्ण (द) अशुक्लाकृष्ण

The karma of a yogi is called

- (A) Shukla (B) Shukla-Krishna
(C) Krishna (D) Ashukla-Krishna

4. समाधि-सिद्धि का उपाय है

- (अ) प्रत्याहार (ब) ईश्वर-प्रणिधान
(स) प्राणायाम (द) अहिंसा

The method of Samadhi-Siddhi is

- (A) Pratyahar (B) Ishwar Pranidhan
(C) Pranayama (D) Ahimsa

5. चित्त का स्वरूप है

- (अ) जड़ (ब) चतन
(स) स्वप्रकाशक (द) द्रष्टा

Nature of Chitta is

- (A) Unconscious (B) Conscious
(C) Selfenlightened (D) Seer

6. यह चतुर्व्यूह के अन्दर सम्मिलित है

- (अ) दुःख (ब) दौर्मनस्य
(स) हान (द) स्त्यान

..... is included in Chaturvyuha.

- (A) Dukha (B) Daurmanasya
(C) Haan (D) Styana

7. सम्प्रज्ञात समाधि का भेद नहीं है

- (अ) वितर्कानुगत (ब) विचारानुगत
(स) अस्मिन्तानुगत (द) अविद्यानुगत

..... is not a type of Samprajnata Samadhi.

- (A) Vitarkanugata (B) Vicharanugata
(C) Asmitanugata (D) Avidyanugata

8. धारण, ध्यान व समाधि का एकरूप कहलाता है

- (अ) संयोग (ब) नियमन
(स) संयम (द) वियोग

Collective form of Dharana, Dhyan & Samadhi is called

- (A) Sanyoga (B) Niyaman
(C) Samyama (D) Viyoga

9. काय-सम्पत् में सम्मिलित नहीं है

- (अ) मनोहर व सुंदर शरीर (ब) बल-शाली शरीर
(स) शुद्ध व गठीला शरीर (द) स्वस्थ व लचीला शरीर

It is not included in Kayasampat

- (A) Graceful and beautiful body (B) Strengthful body
(C) Firm and compact body (D) Healthy and Flexible body

10. क्रिया योग का फल है

- (अ) कैवल्य (ब) क्लेश-निवृत्ति
(स) कर्म - कुशलता (द) सिद्धि-प्राप्ति

Result of Kriya yoga is

- (A) Kaivalya (B) Klesh-Nivritti
(C) Skill in action (D) Siddhi-Prapti

-----X-----